GOVT. BRENNEN COLLEGE
CENTRAL LIBRARY
THALASSERY

K17U 1092

Reg. No. : ....

Name : ....

II Semester B.A./B.Sc. Degree (C.C.S.S. – Supple.) Examination, May 2017
(2009-13 Admns.)
COMMON COURSE IN HINDI
2A08 HIN : Prose and One Act Play for Communication Skill

Time : 3 Hours Weightage : 30

निर्देश : किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(Wt. : 2×3=6)**

1. मनुष्य का जीवन इतना विशाल है कि उसके आचरण को रूप देने के लिए नाना प्रकार के ऊँच-नीच और भले-बुरे विचार, अमीरी और गरीबी, उन्नति और अवनति इत्यादि सहायता पहुँचाते हैं ।

2. चीन के वस्त्र, चीन के चित्र आदि की रंगमयता देखकर भ्रम होने लगता हैं कि वहाँ की मिट्टी का हर कण भी इन्हीं रंगों से रंगा हुआ न हो ।

3. इसका जल घास और कीचड से भरा तथा कुरूप देखकर हमने सोचा-मातृ हत्यारे की चीज़ ऐसी ही होनी चाहिए ।

4. जहाँ व्यक्ति के प्रत्येक कार्य के प्रति लोग सतर्क रहते हैं । किसी प्रकार की औपचारिकता से मुक्त यहाँ का आदमी सहज और सरल होते हुए भी अपने-आप में एक इकाई है ।

5. पुस्तकालय छोटा होने पर भी यहाँ काफी पुस्तकें हैं, पुस्तकालयाध्यक्ष तो सौजन्य की मूर्ति हैं ।

निर्देश : किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए । **(Wt. : 2×3=6)**

6. चीनी फेरीवाले का देश प्रेम कैसे व्यक्त होता है ?

7. इलाहाबाद को किसी बडे गाँव के अन्दर पलता हुआ एक आधुनिक शहर क्यों कहा जाता है ?

8. 'मेरी हिमाचल यात्रा' में नाहन का वर्णन कैसे किया है ?

9. 'आचरण की सभ्यता' में किन-किन बातों पर प्रकाश डाला है ?

10. मानवीय करुणा को उजागर करनेवाला है चीनी फेरीवाला का चित्रण । अपना मत प्रकट कीजिए । P.T.O.

निर्देश : किसी एक प्रश्न पर निबन्ध लिखिए । (Wt. : 4×1=4)

11. 'इलाहाबाद' पाठ का सारांश लिखिए ।

12. 'मेरी हिमाचल यात्रा' में यात्रावर्णन को रोचक बनाने के लिए राहुलजी ने क्या-क्या बातें प्रकट की हैं ?

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण पढ़कर प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखिए । (Wt. : 1)

13. छोटी अवस्था में ही समझ गया था कि धन संचय के संबन्ध रखनेवाली सभी विद्याएँ एक-सी हैं ।

अ) यह अंश किस पाठ का है ?

आ) इसका रचनाकार कौन है ?

इ) किसके बारे में बताया गया है ?

ई) इस कथन का आशय क्या है ?

निर्देश : किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । (Wt. :2×3=6)

14. जीवन में तुमने मुझे चैन नहीं लेने दिया, अब कम से कम मुझे शान्ति से मर तो लेने दो युधिष्ठिर ।

15. अरे, अपने सारे सहयोगियों की हत्या का कलंक अपने माथे पर लगाकर तू कायरों की भाँति अपने प्राण बचाता फिरता है ।

16. जानते नहीं अब जनता का राज है और जनता के राज में, जनतन्त्र में जनता की प्रतिष्ठा होती है ।

17. हाँ, आप डरते हैं । यदि न डरते तो घर में छिपाकर बैठे रहने के बजाय जनता के पास जाते ।

18. अरे पापी ! यदि प्राणों का इतना मोह था, तो फिर यह महाभारत क्यों मचाया ? न्याय की ठोकर मारकर अन्याय का पथ क्यों ग्रहण किया ?

निर्देश : किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए । (Wt. : 2×3=6)

19. 'महाभारत की एक सांझ' का संदेश क्या है ?

20. महाभारत की एक सांझ में संजय की भूमिका क्या है ?

21. दुर्योधन को मरते समय भी किसी प्रकार की ग्लानि या पश्चाताप क्यों नहीं हुआ ?

22. 'सीमारेखा' नाटक में नाटककार क्या कहना चाहता है ?

23. लक्ष्मीचन्द्र का चरित्र चित्रण कीजिए ।

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण पढ़कर प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखिए । (Wt. : 1)

24. इस दुराचारी के साथ ऐसा व्यवहार बिलकुल अनावश्यक है ।

अ) यह कथन किस पाठ का अंश है ?

आ) प्रस्तुत नाटककार कौन है ?

इ) यह किसका कथन है ?

ई) 'दुराचारी' का मतलब किससे है ?